>

Title: Need to frame a National Crop Insurance Scheme providing a better insurance cover to farmers in the country.

**श्री गणेश सिंह (सतना)** ः भारत देश कृषि प्रधान देश है। कभी हमारी अर्थव्यवस्था का मूल आधार कृषि थी। देश की 70 प्रतिशत जनसंख्या इस कार्य पर निर्भर है। देश के किसान हर वर्ष प्राकृतिक आपदाओं के शिकार होते हैं। जिसके कारण वे कर्ज के बोझ से दबते जा रहे हैं और इसी कारण से आत्महत्या के शिकार हो रहे हैं।

वैसे भी खेती से किसानों की स्थिति खराब हो रही है। कृषि योग्य भूमि घट रही है। एक समय ऐसा आएगा जब देश एक-एक दाने अनाज के लिए विदेशों का मोहताज हो जाएगा।

देश में जिस अनुपात में सिंचाई, बिजली की आवश्यकता है, उतनी उपलब्ध नहीं हो पा रही है। लगातार कृषि उत्पादन में खर्च बढ़ता जा रहा है। उस पर रोक नहीं लग पा रही है। म.प्र. सहित कई राज्यों ने खेती के घाटे के धंधे को फायदे का धंधा बनाने के लिए कई कारगर उपाए किए हैं, किंतु केन्द्र सरकार के सहयोग के बगैर किसानों की मदद नहीं हो सकती। इसीलिए केन्द्र एवं राज्य सरकार को मिलकर राष्ट्रीय फसल बीमा योजना लागू की जाए जिसमें किसान के खेत को इकाई माना जाए तथा प्रीमियम की राशि में 40 प्रतिशत केन्द्र सरकार 40 प्रतिशत राज्य सरकार तथा 20 प्रतिशत राशि किसान खुद जमा करे और इस आधार पर 100 प्रतिशत फसलों का बीमा की योजना बनाई जाए तभी देश का किसान उभर सकता है।

अभी भी फसल बीमा योजना है। उनका लाभ न के बराबर किसानों को मिल रहा है। देश को एक राष्ट्रीय फसल बीमा योजना की जरूरत है।